हिंदी नोडल अधिकारियों एवं राजभाषा अधिकारियों हेतु एक दिवसीय हिंदी संगोष्ठी का आयोजन

कारपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश के हिंदी नोडल अधिकारियों एवं यूनिट कार्यालयों के राजभाषा अधिकारियों के लिए 21 नवंबर, 2025 को एक दिवसीय हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सतत आजीविका एवं सामुदायिक विकास केन्द्र, मा.सं.वि. परिसर, पशुलोक, ऋषिकेश में किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. अमरनाथ त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं.एवं प्रशा.) का स्वागत श्री एस.बी.प्रसाद, अपर महाप्रबंधक, (मा.सं. एवं प्रशा.) द्वारा प्लांट भेंट कर किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डा. अमरनाथ त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं.एवं प्रशा.) एवं श्री एस.बी.प्रसाद, अपर महाप्रबंधक, (मा.सं. एवं प्रशा.) द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। उद्घाटन सत्र के दौरान श्री एस.बी.प्रसाद, अपर महाप्रबंधक, (मा.सं. एवं प्रशा.) ने अपने संबोधन में हिंदी संगोष्ठी के उद्देश्य एवं महत्व के बारे में अवगत कराया। इसके पश्चात डॉ. त्रिपाठी ने हिंदी नोडल अधिकारियों एवं अन्य यूनिटों से आए राजभाषा अधिकारियों का अभिवादन करते हुए कहा कि यह हिंदी संगोष्ठी राजभाषा के कार्यान्वयन में आ रही कठिनाईयों के निदान हेतु विचार-विमर्श का एक अच्छा मंच साबित होगी। साथ ही उन्होंने हिंदी नोडल अधिकारियों/राजभाषा अधिकारियों से अनुरोध किया कि वह अपने विभागों/यूनिटों में हिंदी के प्रचार-प्रसार में अपना पूर्ण योगदान करें एवं भारत सरकार के राजभाषा विभाग के द्वारा 'क' क्षेत्र हेतु पत्राचार के लिए निर्धारित शत- प्रतिशत के लक्ष्य को प्राप्त करने का हर संभव प्रयास करें। उक्त संगोष्ठी में कारपोरेट कार्यालय के हिंदी अनुभाग के श्री पंकज कुमार शर्मा, उप प्रबंधक(राजभाषा), श्री संतोष टेलकीकर, सहायक प्रबंधक(राजभाषा) एवं श्री नरेश सिंह, सहायक अधिकारी (राजभाषा) एवं अन्य कनि. अधिकारी उपस्थित रहे।

संगोष्ठी के प्रथम सत्र में अन्य परियोजनाओं से आए हुए राजभाषा अधिकारियों एवं कारपोरेट कार्यालय के हिंदी नोडल अधिकारियों द्वारा अपना-अपना परिचय देकर अपनी यूनिटों एवं विभागों में हिंदी के प्रचार-प्रसार में अपने योगदान एवं विभाग में राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया गया।

सर्वप्रथम सुश्री बानी शुक्ला, सहायक प्रबंधक(राजभाषा) एवं श्रीमती नीरज सिंह, सहायक अधिकारी(राजभाषा) द्वारा टिहरी यूनिट में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन, उसके प्रचार-प्रसार एवं उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही उन्होंने नराकास, टिहरी की राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी समस्त गतिविधियों के बारे में जानकारी दी एवं अवगत करवाया गया कि शीघ्र ही प्रथम बार नराकास, टिहरी की राजभाषा पत्रिका का भी विमोचन किया जाएगा जो कि हमारे लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। इसके पश्चात खुर्जा यूनिट से आये श्री यशवंत सिंह नेगी, कनि.अधिकारी(हिंदी) ने अपने विचार व्यक्त किए उन्होंने बताया कि खुर्जा कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित कार्यो की नियमित रूप से शुरूआत उन्हीं के समय में हुई वर्ष 2022 से अब तक विभिन्न उपलब्धियां जैसे खुर्जा यूनिट को अधिसूचित करवाना, वर्ष 2023 में संसदीय राजभाषा निरीक्षण तथा माननीय संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उप समिति द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बुलंदशहर के तत्वाधान में 07 मई 2025, को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के खुर्जा एसटीपीपी कार्यालय का भी राजभाषा निरीक्षण किया जाना। साथ ही उन्होंने यह भी अवगत कराया कि दिनांक 22 अगस्त, 2025-टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड-खुर्जा कार्यालय को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), बुलंदशहर की 28वीं बैठक में राजभाषा शील्ड प्रतियोगिता-2025 (श्रेणी-केंद्र सरकार कार्यालय एवं उपक्रम) के प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया जाना आदि खुर्जा एसटीपीपी की राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धि रही हैं।

तत्पश्चात वीपीएचईपी पीपलकोटी परियोजना से आए श्री जी.पी.घिल्डियाल, सहायक अधिकारी(राजभाषा) द्वारा राजभाषा विभाग के अंतर्गत अधिक से अधिक हिंदी के कार्यान्वयन में अपना योगदान एवं उसके प्रचार-प्रसार को बढावा देने के बारे में अवगत कराया गया। श्री घिल्डियाल ने अवगत कराया कि पीपलकोटी यूनिट में राजभाषा कार्यान्वयन से समस्त गतिविधि जैसे राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठको, हिंदी नोडल अधिकारियों की बैठक का आयोजन, तिमाही आधार पर हिंदी कार्यशाला एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है एवं शतप्रतिशत के लक्ष्य को शीघ्र ही प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। तत्पश्चात श्री आशीष जैन, कनिष्ठ कार्यपालक(राजभाषा) द्वारा जानकारी दी गई कि एनसीआर कार्यालय, कौशांबी में राजभाषा कार्यान्वयन संबधी समस्त गतिविधियां नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं। तत्पश्चात कारपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश से उपस्थित समस्त नोडल अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभागों में राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति एवं उनकी उपलब्धियों के बारे में अवगत कराया गया।

संगोष्ठी के प्रथम सत्र में श्री पंकज कुमार शर्मा, उप प्रबंधक(राजभाषा) द्वारा राजभाषा संबंधी गतिविधियों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। श्री शर्मा ने हिंदी में मूल पत्राचार के अपेक्षित प्रतिशत के बारे में जा जानकारी दी जिसमें 'क' क्षेत्र से 'क' क्षेत्र को पत्राचार का 100 प्रतिशत, 'क' क्षेत्र से 'ख' क्षेत्र को पत्राचार का 100 प्रतिशत, 'क' क्षेत्र से 'ग' क्षेत्र को पत्राचार का 70 प्रतिशत, 'क' क्षेत्र से 'क' व 'ख' क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति को पत्राचार का 100 प्रतिशत किये जाने का समस्त नोडल अधिकारियों/राजभाषा अधिकारियों से अनुरोध किया। श्री शर्मा ने भारत सरकार की विभिन्न पुरस्कार योजनाओं जिसमें राजभाषा कीर्ति पुरस्कार, राजभाषा ज्योति, दीप्ति एवं प्रभा पुरस्कार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार, मंत्रालय की पुरस्कार योजना, नराकास वैजयन्ती योजना एवं भारत सरकार की राजभाषा नीति, अधिनियमों एवं नियमों के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। साथ ही श्री संतोष टेलकीकर तुकाराम, सहायक प्रबंधक(राजभाषा) ने हिंदी अधिकारियों/हिंदी नोडल अधिकारियों के दायित्व एवं कर्तव्य के बारे में जानकारी प्रदान की।

द्वितीय सत्र में श्री धीरेन्द्र रांगड, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय साहित्य संगम द्वारा आधुनिक दर्शनशास्त्र के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया साथ ही मन के विभिन्न रूप एवं उसके प्रभाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही उन्होंने प्राचीन स्थलों के पौराणिक तथ्यों की जानकारी से भी अवगत करवाया गया।

अंत में श्री एस.बी.प्रसाद, अपर महाप्रबंधक (मा.सं.एवं प्रशा) द्वारा मानव संसाधन सबके लिए विषय पर व्याख्यान दिया गया। उन्होने बताया कि मानव संसाधन के बिना किसी भी संगठन, कार्यालय, विभाग की कल्पना संभव नहीं है। किसी भी संगठन के विकास के लिए मानव संसाधन एक महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करता है। साथ ही उन्होंने कहा किसी भी संगठन के निर्माण, विकास एवं उसकी प्रगति के लिए मानव संसाधन एक महत्वपूर्ण भमिका निभाता है।

अंत में श्री पंकज कुमार शर्मा, उप प्रबंधक(राजभाषा) द्वारा हिंदी संगोष्ठी में उपस्थित अध्यक्ष महोदय एवं समस्त हिंदी नोडल अधिकारियों एवं राजभाषा अधिकारियों का उनकी उपस्थिति के लिए तथा बाह्य एवं आंतरिक संकाय सदस्यों का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया।

****